समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

किस्मत हो तो ऐसी ! 14 साल की उम्र मे बंने वाइस कैप्टन, वैभव सूर्यवंशी ने लिखा इतिहास

Publisher

Published on 13 Oct 2025

भारतीय क्रिकेट में नई प्रतिभाओं का आगमन हमेशा ही उत्साह और उम्मीदों से भरा रहता है। ऐसे ही युवा सितारों में से एक हैं वैभव सूर्यवंशी, जिनकी मेहनत और प्रदर्शन ने उन्हें केवल IPL में ही नहीं बल्कि रणजी ट्रॉफी में भी अपनी पहचान बनाने का मौका दिया है। वैभव सूर्यवंशी को बिहार की रणजी टीम का वाइस कैप्टन नियुक्त किया गया है, और यह उपलब्धि उनकी युवा उम्र और क्षमता का शानदार उदाहरण है।

केवल 14 साल की उम्र में यह जिम्मेदारी प्राप्त करना किसी भी युवा क्रिकेटर के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती है। IPL में अपनी चमकदार बल्लेबाजी के बाद वैभव ने न केवल फैंस का दिल जीता बल्कि टीम के वरिष्ठ अधिकारियों और चयनकर्ताओं का भी विश्वास पाया। उनके तकनीकी कौशल, मैदान पर नेतृत्व क्षमता और मैचों में रणनीतिक निर्णय लेने की समझ ने उन्हें यह जिम्मेदारी दिलाई।

रणजी टीम के वरिष्ठ कोच और चयनकर्ताओं ने कहा कि वैभव सूर्यवंशी में नेतृत्व के गुण स्पष्ट रूप से दिखते हैं। उन्होंने मैदान पर अपने प्रदर्शन और टीम के प्रति समर्पण से यह साबित किया कि वे किसी भी चुनौती को संभालने के लिए तैयार हैं। उनके नेतृत्व में बिहार की रणजी टीम नई ऊँचाई तक पहुंच सकती है।

IPL में वैभव की बल्लेबाजी और मैचों में योगदान ने यह दर्शाया कि वे सिर्फ एक युवा प्रतिभा नहीं, बल्कि टीम के लिए रणनीतिक और निर्णायक खिलाड़ी भी हैं। उनकी तकनीक, मानसिक मजबूती और बल्लेबाजी की समझ ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया। अब वाइस कैप्टन के रूप में यह जिम्मेदारी उन्हें अपने नेतृत्व कौशल को और निखारने का मौका देगी।

वैभव सूर्यवंशी ने इस उपलब्धि के बाद कहा कि उन्हें इस जिम्मेदारी पर गर्व है। उन्होंने यह भी साझा किया कि टीम के वरिष्ठ खिलाड़ियों और कोचिंग स्टाफ का समर्थन उनकी सफलता में अहम भूमिका निभाता है। उनका कहना है कि वे टीम के साथ मिलकर बिहार को रणजी ट्रॉफी में नई पहचान दिलाने के लिए पूरी मेहनत करेंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि युवा खिलाड़ियों को छोटे उम्र में बड़े मौके मिलने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है और वे जल्दी ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी छाप छोड़ने के लिए तैयार हो जाते हैं। वैभव सूर्यवंशी का उदाहरण भी यही दर्शाता है कि सही अवसर और समर्पण से युवा खिलाड़ी अपने करियर में जल्दी ही मुकाम हासिल कर सकते हैं।

रणजी टीम के कप्तान और सीनियर खिलाड़ी भी वैभव की नियुक्ति को लेकर उत्साहित हैं। उनका कहना है कि वैभव का मैदान पर दृष्टिकोण, अनुशासन और टीम के प्रति प्रतिबद्धता युवा खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनके नेतृत्व में टीम की रणनीतियों और खेल में सुधार की उम्मीद बढ़ गई है।

क्रिकेट विशेषज्ञों के अनुसार, 14 साल की उम्र में इतनी बड़ी जिम्मेदारी मिलना यह दर्शाता है कि वैभव में भविष्य का कप्तान बनने की क्षमता है। उनके पास तकनीकी कौशल, मानसिक मजबूती और टीम भावना है, जो उन्हें लंबे समय तक खेल में बनाए रखेगी। IPL में चमकने के बाद यह नया मौका उनके करियर में एक नया अध्याय खोल रहा है।

युवा क्रिकेट फैंस और भारतीय क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह संदेश भी प्रेरणादायक है कि कड़ी मेहनत, लगन और सही अवसर से कोई भी युवा खिलाड़ी बड़े मुकाम तक पहुंच सकता है। वैभव सूर्यवंशी ने यह साबित किया है कि उम्र केवल एक संख्या है, असली परीक्षा कौशल, समर्पण और मानसिक तैयारी की होती है।

भविष्य में बिहार की रणजी टीम और भारतीय क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी के योगदान को लेकर फैंस और विशेषज्ञ उत्साहित हैं। उनके नेतृत्व में टीम के प्रदर्शन में सुधार और युवा खिलाड़ियों को प्रेरित करने की संभावना काफी मजबूत है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.